राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भारती महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

हिंदी काव्यगोष्ठी

7 मार्च 2024

भारती महाविद्यालय के प्रांगण में 07 मार्च 2024 को, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, एक भव्य एवं साहित्यिक गरिमा से ओत-प्रोत काव्य गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिन्दी विभाग, भारती महाविद्यालय एवं लोक संस्कृति मंच, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार का उत्साह और साहित्यिक संवेदनशीलता देखने योग्य थी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय की माननीय प्राचार्या प्रोफेसर सलोनी गुप्ता ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को अलंकृत किया। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि महिला दिवस केवल एक दिन का उत्सव न होकर, महिला सशक्तिकरण की निरंतर प्रक्रिया का प्रतीक है। साहित्य और कला, विशेषकर कविता, महिलाओं के अनुभवों, संघर्षों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है।

कार्यक्रम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की संयोजिका प्रोफेसर मंजु शर्मा तथा हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम सिंह ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए काव्य गोष्ठी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के साहित्यिक आयोजन न केवल विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

काव्य गोष्ठी का संचालन एक गरिमामयी और सजीव शैली में किया गया, जिससे पूरा वातावरण कवितामय और भावनाओं से परिपूर्ण हो उठा। महाविद्यालय परिवार के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आमंत्रित कवियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और भी बढ़ा दिया। गोष्ठी में विभिन्न साहित्यिक विधाओं और भावभूमियों की कविताएँ प्रस्तुत की गईं—कहीं समाज में महिला की स्थिति पर गहन चिंतन था, तो कहीं महिला के संघर्ष और आत्मविश्वास की दृढ़ अभिव्यक्ति।

आमंत्रित कवियों ने अपनी रचनाओं में महिलाओं के साहस, समर्पण, मातृत्व, करुणा एवं नेतृत्व क्षमता का जीवंत चित्रण किया। उनकी कविताओं में जहाँ एक ओर जीवन की सच्चाइयों का सशक्त स्वर था, वहीं दूसरी ओर भविष्य के लिए आशा और उजाले की किरण भी दिखाई दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक कवियों की रचनाओं को सुना और बीच-बीच में तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने भी अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं, जिनमें महिला चेतना, सामाजिक समानता, पर्यावरण जागरूकता और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। साहित्य के इन विविध रंगों ने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने।

काव्य गोष्ठी के अंत में प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता ने सभी कवियों, आयोजकों और प्रतिभागियों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विशेष रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिन्दी विभाग और लोक संस्कृति मंच, दिल्ली की सराहना की,

जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी ऐसे साहित्यिक और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता रहेगा।

अंत में, काव्य गोष्ठी एक सामूहिक फोटो सत्र और सौहार्दपूर्ण संवाद के साथ संपन्न हुई। यह आयोजन न केवल साहित्यिक अभिरुचि के विकास में सहायक रहा, बल्कि महिला सशक्तिकरण के संदेश को भी गहराई तक पहुँचाने में सफल सिद्ध हुआ।